अ नु क्र म णि का

भूमिका

(१) आधुनिकता बोध का स्वरूप 9-47

आधुनिकता बोध को विभिन्न परिभाषाओं का विश्लेषण

आत्मगत और वस्तुगत परिभाषा

वस्तुगत परिभाषा

आत्मगत परिभाषा

(२) आधुनिकता बोध - मूल्य और प्रक्रिया

(३) आधुनिकता बोध के मध्ययुगीन भिन्नता के कारण

अ) धर्म के क्षेत्र में पुनर्जागरण

ब) विज्ञान विकास और वैज्ञानिक मानसिकता का निर्माण

क) नवीन भौगोलिक स्थानों को खोज

ग) क्रांतियाँ

(१) फ्रेंच क्रांति, (२) रशीयन क्रांति, (३) औद्योगिक क्रांति

(४) आधुनिकीकरण की प्रक्रिया

(५) करण की प्रक्रिया और बोध का एक दूसरों पर परिणाम

(अ) समाज, (ब) संस्कृति, (क) व्यक्तित्व

(६) आधुनिकता बोध — एक बिंब

(७) आधुनिकता बोध के लक्षण

(१) समय बोध (२) परंपरा का स्वीकार-अस्वीकार - स्थापित का अस्वीकार (३) वैज्ञानिक सभ्यता और उसके परिणाम (४) स्व की स्वीकृति (५) जिज्ञासा और गतिशीलता (६) सतर्कता (७) अ-रागात्मकता और विकल्प की स्वतंत्रता

(८) निष्कर्ष

(२) साहित्य में आधुनिकता बोध 48-69

(१) साहित्य सृजन के मूलतत्व - १) कल्पना शक्ति, २) कलात्मक निर्वैयक्तिकता

३) भाषा

(२) सामाजिक बोध को कलाकृति में रूपांतरण की प्रक्रिया ——
सामान्य सामाजिक बोध का विशेष साहित्यिक बोध में रूपांतरण

(३) सामाजिक बोध के साहित्यिक बोध में रूपांतरण की प्रक्रिया के तीन स्तर
—— सामाजिक क्षेत्र के संश्लेषण की प्रक्रिया

(४) साहित्यिक बोध के अनुवादन की प्रक्रिया —— बोध के विश्लेषण की प्रक्रिया

(५) सामाजिक बोध को शिल्पगत सौंदर्य के साथ
अ) चरित्रात्मक, ब) परिवेशगत सौंदर्य, क) घटनात्मक सौंदर्य,
ड) भाषागत सौंदर्य

(६) साहित्य में आधुनिकता बोध

(७) संपूर्ण सामाजिक बोध में परिवर्तन

(८) कलाकृति (कहानी) की विभिन्न परतें

(९) निष्कर्ष

(३) आधुनिक हिंदी कहानियों पर विविध दर्शनों का प्रभाव 70-93

(१) हिंदी कहानी में यथार्थवाद

(२) आधुनिक कहानियों में यथार्थवाद की विभिन्न छटाएँ ——
१) अतियथार्थवाद, — (अ) स्थापित शिल्प बोध का विरोध
(ब) आधुनिक कहानियों में फंतासी
२) प्रकृतवाद

(३) आधुनिक कहानियों पर अस्तित्ववाद का प्रभाव ——
अ) मनुष्य की आत्मनिष्ठता, ब) मानवी संत्रास
क) चुनाव की स्वतंत्रता — १) उसके स्वयं अपने से संबंध
२) दूसरों से संबंध
ड) मृत्यु

(४) निष्कर्ष

(४) नई और समकालिक कहानी में आधुनिकता बोध के स्तर पर अंतर 94 – 115

१) नई कहानी रोमानी भाव बोध से युक्त

२) नई कहानी के वर्ण्य विषय

३) समकालीन कहानी – रोमानी भाव बोध से मुक्त

४) समकालीन कहानी व्यापक सामाजिक मंच पर

५) नई और समकालीन कहानी में आधुनिकता बोध को ग्रहण करने में अंतर

१) मानवी संबंध —— (अ) पति–पत्नी संबंध, (ब) प्राकृतिक आकर्षण

(क) माता–पिता और संतान के संबंध

(ड) मित्रता और रक्त संबंध (ग) मानवी मूल्यों में परिवर्तन

२) यौन संबंध

(५) निष्कर्ष

(५) नई और समकालीन कहानी में आधुनिकता बोध 116 – 145

१) स्थापित मूल्यों एवं धारणाओं का अस्वीकार

१) स्थापित पारिवारिक मूल्यों एवं धारणाओं का विरोध और उनमें परिवर्तन

अ) स्त्री–पुरुष संबंधों में परिवर्तन – आर्थिक कारण

आ) स्त्री–पुरुषों में परिवर्तन -- नैतिक कारण

ब) परिवार के अन्य सदस्यों के आपसी संबंधों में परिवर्तन -- आर्थिक कारण

बा) परिवार के सदस्यों के आपसी संबंधों में परिवर्तन – नैतिक कारण

२) स्थापित सामाजिक धारणाओं एवं श्रेष्ठ रीति–रिवाजों में परिवर्तन

३) प्रेम और सेक्स संबंधी स्थापित धारणाओं में परिवर्तन

२) वैज्ञानिक सभ्यता और उसके परिणाम –

(अ) अकेलापन, उदासीनता और रिक्तता बोध

१) आर्थिक अभावों के कारण अकेलापन और उदासीनता का बोध

२) प्राकृतिक आवश्यकताओं की पूर्ति और स्नेह के अभाव के फलस्वरूप उदासीनता और रिक्तता बोध

(च) अजनबीपन और परायापन

(क) यांत्रिकता और अत्यधिक व्यस्तता

(ख) अप्रतिबद्धता, विडंबना, बेकारी, निराशा और निष्क्रियता

(ग) घुटन और अलगाव का एहसास

(घ) आत्महत्या और मृत्युबोध

(३) सेक्स की स्वीकृति और व्यक्ति स्वतंत्रता

(४) प्रश्नाकुलता, जिज्ञासा और गतिशीलता

(५) सतर्कता और व्यक्तित्व की खोज

(६) अरागात्मकता और निर्वैयक्तिकता

(७) उपसंहार 146 –148

(८) परिशिष्ट -- प्रश्नावली और उनपर विभिन्न कहानीकारों और समीक्षकों की राय 149 - 243

१) कमलेश्वर, २) राजेंद्र यादव, ३) दूधनाथसिंह, ४) डॉ. काशीनाथ सिंह, ५) रवींद्र कालिया, ६) ममता कालिया, ७) जितेंद्र भाटिया, ८) मणि मधुकर ९) सतीश जमाली, १०) डॉ. गंगाप्रसाद विमल, ११) डॉ. भगवानदास वर्मा, १२) विजय मोहन सिंह, १३) अमरकांत, १४) मन्नू भंडारी, १५) मणिका मोहिनी, १६) रमेश उपाध्याय

(९) संदर्भ सूची 244 - 258

(१०) संदर्भ ग्रंथों की सूची 259 - 267